GCG1-1 HI

यीशु सारे विश्वासियों को चेले बनाने के लिए बुलाता है - प्रोग्राम 1

नंबर एक बात जो यीशु चाहता है विश्वासी करे अमेरिका में, कैनडा में, मध्य अमेरिका में, दक्षिण अमेरिका में, यूरोप में, मध्य-पूर्व में, अफ्रीका, आशिया में, फिलिपीन्स और ऑस्ट्रेलिया में/

यीशु ने कहा जाओ और चेले बनाओ, चेला क्या है? आप चेला कैसे बनाते हैं?

आज मेरे मेहमान हैं जो हमने बताएँगे, वो हैं रॉबी गैलेटी, ऐसे मनुष्य जो 3200 लोगों के चर्च के पास्टर हैं/ और सुबह की चार आराधना होती हैं, इन्होने व्यक्तिगत रूप में चेले बनाए हैं, हर साल 7 या 8 लोगों को/ और वो भी आगे बढकर दूसरों को चेले बनाते हैं/

अब यदि आपने किसी को चेला नही बनाया है, क्या ये सच में संभव है कि आप इसे कर सकते हैं? आपको कौनसी व्यवहारिक बातें जानना जरूरी हैं?

आज आप इसे देखेगे, इस विशेष प्रोग्राम डी जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत हैं, आज महान प्रोग्राम है, मैं खासकर उन लोगों का स्वागत करता हूँ जो विदेश से प्रोग्राम देख रहे हैं, यूरोप, मध्य-पूर्व और अफ्रीका में, हालही में मैंने सुना है कुछ लोग से, जो तेहरान, इरान से हैं, हांगकांग से, सिंगापूर से, भारत से, और हम सुन रहे हैं आप लोगों से जो हैं इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, फ्रान्स, जर्मनी और स्विट्ज़रलैंड से/ और फिर नीचे अफ्रीका से और दक्षिण अमेरिका से/ और दोस्तों ये तो मेरे लिए रोमांच की बात है की परमेश्वर ने मुझे ये मच दिया है कि आप से बातें करूं/

और जो विषय हमने आज चुना है वो तो ऐसा है जो इस प्रोग्राम को देखने वाले 200 देशों के लिए लागू होता है/ वो है यीशु की मुख्य आज्ञा जो उसने चर्च को दी थी, व्यक्तिगत रूप में हर विश्वासी को, जिसे महँ आज्ञा कहते हैं,और आज इसे बताने के लिए हमारे साथ हमारे देश के विशेष बाइबल शिक्षक हैं, रॉबी गैलीटी, और ये हमें बताएगे और प्रभु वचन से सिखाएगे, ये आपको प्रोत्साहित करेगा, आपको उठाएगा/

देखिए महान आज्ञा में प्रतिज्ञाएँ हैं जिसके बारे में शायद आप सचेत न हो/ और यहाँ पर बहुतसी जानकारी हैं, मैं सोचता हूँ कि आप इसे रोच पाएगे/ तो मैंने इन्हें आकर बताने के लिए न्योता दिया है/ रॉबी, महान आज्ञा में ये इस तरह शुरू होती है/ इस बहुत ही अद्भुत वाक्य के साथ में, जो यीशु मसीह ने कहा था, वो क्या है?

रॉबी गैलेटी: मत्ती 28:16 से 20, यही महान आज्ञा है, बहुत से लोगों ने इसे अच्छी आज्ञा के रूप में देखा है/ या ठीक है आज्ञा के रूप में, शायद बड़ा पर्याय या बड़ी सलाह/ मैं ये इसलिए कहता हूँ जॉन क्योंकि बहुत से लोग विश्वासी के रूप में, वो महान आज्ञा का पालन नही कर रहे हैं/ अब साड़े सात साल पहले मैं एक अविश्वासी था/ मुझे ड्रग्स की लत थी, मैं शराबी था, मैं बार रूम में जाता था/ और यदि कोई मेरे पास आकर

कहता कि आपको महान आज्ञा माननी होगी,विश्वासी के नाते, तो शायद मैं कहता कि धन्यवाद, लेकिन धन्यवाद नही/ लेकिन सिक्के को पलटे तो, यदि आप विश्वासी हैं, परमेश्वर ने हमें चुनौती दी है/ कि हमें आशीष दे, अपने वचन से उसने प्रतिज्ञा दी है, कि उसकी आज्ञाएँ माने कि हमें प्रतिफल मिले/ और जीवन को उत्तम बनाए, इसी के बारे में बताना चाहता हूँ, अगले कुछ प्रोग्राम महान आज्ञा पर/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, एक बात तो ये है कि आप 293 के थे और 6 फीट 6 इंच के हैं, ठीक हैं और जब हम साथ में खड़े थे तो आप बहुत ऊँचे दिख रहे थे, मैं उस समय का आपका ड्राइविंग लायसन देखा है और आप बहुत डरावने व्यक्ति दिखते थे, सडक पर आप से मिलना नही चाहते थे, यीशु मसीह ने आपके जीवन को बदल दिया, आप अलग ही दिखते हैं, ठीक है?

और आप सही हैं, और जो लोग सुन रहे हैं, और यीशु की महान आज्ञा के बारे में सुन रहे हैं, वो आज्ञा जो उसने विश्वासियों को दी है/ यदि आप गैर-मसीही हैं, आप अविश्वासी हैं, आप इसे देखकर कहते हैं, हाँ यदि मैं विश्वास करने लग जाऊ तो मुझे अफ्रीका या और कही जाना होगा/ सबसे पहली बात मैं चाहता हूँ दोस्तों की आप जान ले, कि यीशु मसीह ही परमेश्वर है, आपको जानना होगा कि वो कौन है और आप कौन हैं? आप पापी थे और आपको उसकी जरूरत थी कि की वो आपको बचाए, और वो इस पृथ्वी पर आया कि आपके लिए अपना जीवन दे/ और वो आपको अपना उद्धार देता है, बिलकुल मुफ्त में,इसमें कोई काम जुड़ा नही है, वो आपको ये भेंट देता है/ उसकी उपस्थिति उसकी सामर्थ, वो आपको बदल सकता है, और फिर अनंतजीवन देता है/ और सच्चाई ये है कि आप, ये भेंट है, लेकिन जिन्होंने इस भेंट को स्वीकार किया है/ हम इन लोगों के बारे में बाते कर रहे हैं, और हम उन लोगों से कह रहे हैं कि मैं जानता हूँ कि यीशु मसीह ने क्या किया है, मैं इसे कभी चूका नही सकता, लेकिन मैं उसे प्रसन्न करना चाहता हूँ, धन्यवाद देना चाहता हूँ, और ये लोग जिनके बारे में हम चर्चा कर रहे हैं/ यीशु ने और क्या कहा है?

रॉबी गैलेटी: जी, यीशु ने महान आज्ञा दी, मत्ती 28 में उसने कहा, स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, इसलिए तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ/ और उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बपतिस्मा दो, और उन्हें सब बातें जो मैंने तुम्हें आज्ञा दी हैं, मानना सिखाओ, और देखो मैं जगत के अंत तक सदैव तुम्हारे संग हूँ/ और मैं अगले 6 प्रोग्राम में यही करना चाहता हूँ, कि समझकर बताऊ, एक एक पीस में, ये महान आज्ञा/ बहुत से लोगों ने इसे जाना है, इसके बारे में सुना है/ लेकिन वो सच में नही जानते कि सच में महान आज्ञा क्या है/ और मैं आज शुरू करना चाहता हूँ मिशन के बैकड्रॉप के साथ में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप शुरू कीजिए/

रॉबी गैलेटी: ठीक है, ये दिलचस्प है क्योंकि महान आज्ञा में, यहाँ चार महत्वपूर्व शब्द हैं/ यीशु सब शब्द का उपयोग करता है, जब उसने कहा कि मुझे सारा अधिकार दिया गया है/ उन्हें वो सब सिखाओ जो मैनें तुम्हें आज्ञा दी है/ सारे देशों में जाओ/ और फिर वो अंत में कहता है कि मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगा/ मैं सोचता हूँ कि आज्ञा के बारे में देखने से पहले हमें प्रभु यीशु मसीह के बारे में दो बातों को समझना होगा,पहली बात तो ये है कि यीशु मसीह अपने मारे और गाढ़े जाने, और जी उठने से, शत्रु पर जयवन्त हूँ, याने स्वयं शैतान पर/

रोमियो अध्याय 5 वचन 10 कहता है,क्योंकि बैरी होने की दशा में तो उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा हमारा मेल परमेश्वर के साथ हुआ फिर मेल हो जाने पर उसके जीवन के कारण हम उद्धार क्यों न पाएगे?/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, सामान्य रूप में कह रहे हैं कि जब आदम और हव्वा ने पाप किया, याने सच में हमने परमेश्वर के विरुद्ध में बलवा किया है/ उस समय हम उसके शत्रु हो गए, हम परमेश्वर के तरीके से चलना नही

चाहते थे,और जब कि हम हम शत्रु थे, मसीह आकर हम से प्रेम करने लगा,और क्रूस पर मरा और हमारे पापों के लिए दाम चुकाया/

रॉबी गैलेटी: जी, और दिलचस्प बात तो ये है कि रोमियो अध्याय 8 वचन 1 में ये आगे कहता है कि यीशु मसीह के मारे जाने, गाढ़े जाने और जी उठने के कारण अब कोई दण्डआज्ञा नही है/ क्यों? क्योंकि जीवन की आत्मा की व्यवस्था ने हमें पाप की और मृत्यु की व्यवस्था से स्वतंत्र किया है/ और इसलिए ये हमें प्रोत्साहित करता है, और ये तो विश्वासी के नाते हमें समझना होगा, इसके पहले कि हम सेवकाई में जाए या महान आज्ञा के मिशन में जाए, हमें मिशन का बैकड्रॉप समझना होगा, और मैं बताना चाहता हूँ मसीह के अधिकार की विशेषता के बारे में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी/

रॉबी गैलेटी: जी, अब विशेषता तो वचन के शुरू में ही पाई जाती है/ यीशु ने कहा, आकाश और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, तो मैं बस स्वर्ग के भाग को लेना चाहता हूँ/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी रॉबी औरए वाक्य तो सच में बहुत ही अद्‌भुत है/ स्वर्ग में, इसका क्या अर्थ है?

रॉबी गैलेटी: जी, सारा अधिकार का मतलब ये है कि यीशु को सामर्थ दी गई थी, और आज़ादी दी गई थी कि वो जैसे चाहे इसे कर सकता है/ सामान्य रूप में वो इस तरह से कहता है/ वही सामर्थ जो यीशु के पास स्वर्ग में है, वो अब पृथ्वी पर अनुभव की जाती है/ ये सामान्य रूप में इस तरह से कह रहा है जॉन कि वो परमेश्वर है, जो मसीह के इश्वरत्व को दर्शाता है,पौलुस इसे इफिसियों अध्याय 1 में बताता है, वचन 20 देखिए पौलुस क्या कहता है, परमेश्वर ने यीशु को मरे हुओं में से जिलाकर, स्वर्गीय स्थानों में अपने दाहिनी ओर बैठाया, सब प्रकार की प्रधानता, और अधिकार, और सामर्थ और प्रभुता के और हर एक नाम के ऊपर, जो न केवल इस लोक में पर आनेवाले लोक में भी लिया जाएगा, बैठाया है/ स्वर्ग में अधिकार रखने के साथ ही, ये इस वचन में कहता है कि यीशु के पास पृथ्वी पर अधिकार है/ सामान्य रूप में ये कह रहा है कि यीशु के पास सृष्टि पर सामर्थ है, अब, मुझे पता नही कि आप जानते हैं लेकिन नए नियम का लेखक मरकुस, अपने सुननेवाले लोगों को बताने की कोशीश करता है/ और वो शुरू में सुसमाचार के शुरू में कहता है, मरकुस अध्याय 1 वचन 13 में, मैं अधिकार के बारे में बताने के लिए इनमे से कुछ बताना चाहूँगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मुझे ये पसंद आ रहा है/

रॉबी गैलेटी: मरकुस अध्याय 1 वचन 13 में यीशु ने शुरू में बताया कि उसके पास जानवरों पर अधिकार है, ये वचन इस तरह से कहता है, जंगल में 40 दिन तक शैतान ने उसकी परीक्षा की, और वः वन पशुओं के साथ रहा/ अब सामान्य रूप में जब कोई जंगल में रहता है, जानवरों के साथ तो ये सुरक्षित बात नही होती है, आप कहानी जानते हैं, सिंह, शेर और भालू, हाय रे, हाय रे अच्छी बात नही है/

लेकिन ये ग्रीक में बताता है/ ये शब्द साथ याने वो जानवरों के साथ था, ये हमें बताता है कि वो जानवरों के साथ एकता में था/

जानवरों पर उसके पास अधिकार था इसके साथ ही उसके पास स्वर्गदूतों पर भी अधिकार था/ देखिए वचन 13 ये वचन क्या कहता है/ और स्वर्गदूत उसकी सेवा कर रहे थे/ अब हम इबानियों 2:7 से जानते हैं, कि मनुष्य को

स्वर्गदूतों से थोड़ा कम बनाया गया है, स्वर्गदूत तो केवल यीशु के आस-पास ही नही थे, वो सच में उसकी सेवा कर रहे थे कि ये दिखाए कि यीशु के पास स्वर्गदूतों पर अधिकार है/

फिर आगे कहता है, यीशु के पास शिक्षा देने का अधिकार था/ याद है वो कहानी जब एक मनुष्य आराधनालय में आता है, यीशु अपने अनुयायीयों को सिखाने लगता है कि सहज क्या है कि क्या झोले के मारे से यह कहना कि तेरे पाप क्षमा हुए या ये कहना कि अपनी खाट उठा कर चल फिर, परन्तु जिससे तुम जानो कि मेरे पास पापों की क्षमा करने का अधिकार है, मैं इस मनुष्य को चंगाई दूंगा/ यीशु के पास पापों कि क्षमा करने का अधिकार था/ और जैसे वो यहाँ कहता है, मैं तो परमेश्वर हूँ/

लेकिन वो आगे कहता है/ यीशु के पास दुष्ट आत्माओं पर अधिकार था/ मरकुस अध्याय 1 वचन 34, उसने बहुतों को जो नाना प्रकार की बिमारियों से दू:खी थे, चंगा किया,और बहुतों से दुष्ट आत्माओं को निकाला, और वो उन्हें बोलने न दिया क्योंकि वो उसे पहचानती थी/

उसके पास सब्त के उपर प्रभावी होने का अधिकार था, याद है जब उसने सब्त के दिन उस मनुष्य को चंगाई दी, वो चेले और फरिसोयों से कहता है, उसने कहा सुनो, सब्त मनुष्य के लिए बना, मनुष्य सब्त के लिए नही/ इसलिए मनुष्य का पुत्र सब्त के दिन का भी स्वामी है/

उसे अधिकार था कि वो अधिकार दे/ यदि आपको मरकुस अध्याय ३ याद है, वो चेलों को अपने पास बुलाता है/ और फिर वो उन्हें भेजता है कि शिक्षा दे और दुष्ट आत्माओं को निकाले/

याद है जब वो नाव में था उसके पास सृष्टि पर अधिकार था/ लहरे नाव से टकरा रही थी, हवा चल रही थी और बारिश हो रही थी, और अचानक वो खड़े होकर कहता है, शान्त हो, स्थिर हो जाओ, और चेले एक दुसरे को देखने लगे, और कहा कि ये कौन है/ कि यहाँ तक कि हवा और बारिश इसकी आज्ञा मानती है/

मैंने ये सब ये कहने के लिए बताया है, मरकुस हमें यही बताने कि कोशीश कर रहा था/ यदि यीशु मसीह के पास सृष्टि पर अधिकार था/ यदि यीशु मसीह के पास संसार पर अधिकार है, यीशु मसीह को दुष्ट आत्माओं पर अधिकार है/ क्या आपको नही लगता कि हम यीशु पर अपने जीवन के लिए भरोसा रख सकते हैं?

जानते हैं, भाई टीम लेफोर ने मुझे कुछ दिलचस्प बात बताई, टीम लेफोर तो सच में मेरे मेन्टर थे, विश्वास के शुरू शुरू में, वो मेरे जीवन में आएं,और उन्होंने कहा रॉबी, परमेश्वरकी महानता, किसी नाटक के परदे जैसे है/ ये नाटक के पीछे के परदे जैसे है/ ये हमेशा वहां होता है, लेकिन आप उसे कभी नही देखते/ और मेरे लिए जॉन ये हमेश ऐसे ही रहा है/ परमेश्वर की महानता हमेशा मुझे प्रोत्साहित करती रही, मैंने जाना कि चाहे मैं जहाँ भी जाऊं, प्रभु मुझे जहाँ भी भेजता है/ वो हमेशा नियन्त्रण करता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: रॉबी, सुनने वाले लोगों के लिए इस बात को जोर देते हुए बताना/ ये सच में उनके लिए कैसे लागू होता है, आप क्या चाहते हैं कि वो जाने?

रॉबी गैलेटी:   जी, चलिए इसे व्यक्तिगत बनाए, यदि परमेश्वर सारी बातों पर नियन्त्रण करता है, अवश्य ही यीशु ने इसे दिखाया है, और यदि यीशु मसीह सब का प्रभु है/ तो हमें विश्वासी के नाते डरने की जरूरत नही है/ हम प्रभु में विश्राम कर सकते हैं, हम जानते हैं कि ये कितना भी बुरा हो, ये एक दिन अच्छा हो जाएगा, यदि प्रभु पर भरोसा करे तो, चाहे जीवन कितना भी मुश्किल क्यों न हो, परमेश्वर सबकुछ एक दिन अच्छा बनाने के लिए काम कर रहा है/ और इसी कारण हमें ये समझना होगा, विश्वासी के नाते यदि हम परमेश्वर की महानता के बारे में सही दृष्टिकोण नही रखते हैं, हम निराश और हताश हो जाएगे/ जैसे हम उसके लिए जीते हैं, अपने जीवन के बाकि दिनों में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, रॉबी मैं सोचता हूँ कि दक्षिण अमेरिका के लोग, जिन्हें बहुत आत्मा का वाद है, मैक्सीको में, और संसार के दुसरे भागों में,यीशु मसीह सब आत्माओं पर नियन्त्रण करता है, सारे स्वर्गदूतों पर, ठीक है, जब वो कहता है कि कुडों तो कहते कितना ऊँचा,सच्चाई तो ये ही कि वो प्रभु है/ वो परमेश्वर है/

ठीक है दोस्तों, जो लोग अपने पाप में डूबे हैं, जिनके जीवन में बहुत से पाप हैं, जो लोग आज बीमार हैं, अफ्रीका के कुछ लोग नही जानते हैं कि उनका अगला भोजन कहाँ से आएगा/ हम मदत के लिए प्रभु के पास जाते हैं केवल वही मदत कर सकता है/ और पभु विश्वासी के नाते हमारी देखभाल कर सकता है/ हमारे बहुत से दर्शक गडबडी में हैं, ठीक है, किसी न किसी तरह कि गडबडी में हैं, यीशु मसीह उन्हें इस में से बाहर निकाल सकता है या इसमें से जाने देगा, ठीक है?

हालही में मैंने अपने एक दर्शक से बातें की थी, जो पिछले हफ्ते पैनक्रियाटिक कैंसर से मर गए, जैसे वो मर रहे थे मैं उनसे आखरी कुछ घंटों तक बातें करता रहा, और ये अद्भुत है, वो विश्वासी थे और कहा देखिए, आप प्रभु की उपस्थिति में जा रहे हैं/ आप अभी जीना खत्म नही कर देगे, आप आगे भी जीते रहेगे और वो तो बहुत ही सुंदर होगा, अद्भुत होता आपने सपने में भी नही सोचा उससे बढकर/ और वो आ रहा है/ और उन्हें देखा कि वो शान्ति और शाश्वती में थे कि परमेश्वर इससे ले जाने में उनकी मदत कर रहा है/ लोग चाहे जिसका भी सामना कर रहे हैं/ यीशु प्रभु है, और हम अब इसी पर रुकना चाहेगे/

अब हम वापस आएगे, यीशु प्रभु के रूप में, इस अधिकार के साथ, इस सामर्थ के साथ/ हमें बाहर भेजता है/ और जैसे वो हमें बाहर भेजता है वो आदर्श देता है, कि एक चेला होना क्या है, वो खुद था क्यों कि पिता ने उसे भेजा, और उसने पिता की आज्ञा मानी, लेकिन फिर उसने प्रेरितों को बाहर भेजा/ और प्रेरित भी हमारे लिए आदर्श हैं, इसका अर्थ चेले बनाना है, हम ये सब देखेगे, हम जल्द लौटेगे तो बने रही/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: स्वागत है हम लौट आए हैं, वो एक बात क्या है जो यीशु मसीह सच में चाहता है कि सारे विश्वासी करते जाए? जानते हैं क्या है, उसे महान आज्ञा कहा गया है/ और हम इसी पर चर्चा कर रहे हैं, और पृष्टभूमि ये है, उसकी आज्ञा के लिए, कि हम संसार में जाकर चेले बनाए/ सब देशों से/ वो है कि वो महान है, वो नियन्त्रण करता है/ हम प्रोग्राम के पहले भाग ये चर्चा कर रहे थे, लेकिन रॉबी आपके पास महान उदाहारण है, सोचता हूँ कि सब लोग इसे जानते हैं, चिड़िया के बारे में ये बात है, एक चिड़िया जब जमीन पर गिरती है/ और पिता जानता है/ लेकिन आपने कहा कि ग्रीक में और भी कुछ बताया गया है/ इसे बताइए/

रॉबी गैलेटी: जॉन हम परमेश्वर के अधिकार के बारे में कह रहे हैं, और मैं यही बात बताना चाहता हूँ, यीशु सारी चीजों पर नियन्त्रण करता है/ वो इसके बारे में मत्ती अध्याय 10 में बताता है, चिड़िया के उदाहरण के साथ/ सुनिए क्या कहता है/ वचन 29 में,क्या पैसे में दो गौरिये नही बिकती, तौभी तुम्हारे पिता की इच्छा के बिना, उन में से एक भी भूमि पर नही गिर सकती, ये मुख्य शब्द है/ तुम्हारे सिर के बाल भी सब गिने हुए हैं/ यीशु हमें बताता है कि परमेश्वर कितना नियन्त्रण करता है/ ये ऐसा नही है कि वो जानता है कि पंछी गिर रहा है/ याने पंछी के गिरने के बारे में वो सचेत है, यीशु ने कहा उसकी इच्छा के बिना कुछ नही होता, केवल परमेश्वर जानता ही नही, कि विश्वासी के जीवन में क्या नियन्त्रण करता और अधिकार करता और अनुमति देता है/ अब परमेश्वर ने पुत्र को इस पृथ्वी पर भेजा/ हम ये जानते हैं/ और यीशु उसका अद्भुत उदाहरण है, अब, हम नए नियम से जानते हैं, यीशु ने प्रेरितों को भेजा,लेकिन कुछ ही पल में उसे देखने से पहले, चलिए पीछे चलकर देखते हैं, वो संबंध जो पिता से पुत्र के साथ है, आत्मा के द्वारा/

अब हम इसे देखते हैं फिलिप्पियों अध्याय 2 में, जैसे मसीह यीशु का स्वभाव था वैसे ही तुम्हारा भी स्वभाव हो/ जिसने परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी परमेश्वर के तुल्य होने को अपने वश में रखने की वस्तु न समझा/ वरन अपने आपको ऐसे शून्य कर दिया और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया/ और मनुष्य के रूप में प्रकट होकर अपने आप को दीन किया और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु हाँ क्रूस की मृत्यु भी सह ली/

और ये चाबी है, इस कारण, परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है/ कि जो स्वर्ग में हैं, यहाँ फिर से है, और जो पृथ्वी के नीचे हैं वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेके/ और परमेश्वर पिता की महिमा के लिए हर जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है/ अब हम इस वचन से कुछ दिलचस्प बात देखते हैं, परमेश्वर पुत्र को भेजता है, आत्मा के द्वारा, और यीशु पिता के लिए समर्पित है, अब हमारे पास इस महान मिशन के लिए बैकड्रॉप है/ अब वो हमें बाहर भेजता है, कि पिता की इच्छा पूरी करे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और इस तरह से यीशु ने हमारे लिए एक आदर्श बनाया कि चेले का अर्थ क्या होता है, और फिर उसने हमें भेजा और हमारे लिए सच्चाई है कि प्रेरित पहले से थे/ और प्रेरित खुद भी आदर्श थे/

मैं सवाल पूछना चाहता हूँ रॉबी, यदि कुछ विश्वासी प्रोग्राम देखते हुए कह रहे हैं, मैं चुनाव करता हूँ कि महान आज्ञा के बारे में यीशु की इस बात को न मानू/ बहुत से विश्वासी सोचते हैं कि वो उसी जगह पर हैं,इसके परिणाम होगे और उन में से कुछ बताइए/

रॉबी गैलेटी: जी, जॉन, इसके परिणाम होगे, मसीह की आज्ञा न मानने के लिए, एक तो हम जीवन देनेवाले सुसमाचार के संदेश का इनकर कर रहे हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बिलकुल/

रॉबी गैलेटी: यीशु ने हमें ये महान आज्ञा दी है, कि संसार में जाए और उसके साथ जोड़ते हुए मैं कहूँगा कि हम बहुतायत का जीवन चुक रहे हैं, चर्च के सदस्य, संसार के विश्वासी, जो परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन नही कर रहे हैं/ तो हम परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं का अनुभव नही करेगे/ इसके साथ है मैं सोचता हूँ कि इससे भी बहुत महत्वपूर्ण ये है और हम इसके बार एमे ज्यादा चर्चा नही करते हैं/ आप प्रतिफल खो देते हैं/ यीशु ने स्पष्ट कहा था कि तुम्हें प्रतिफल मिलेगा,इस जीवन में और इस जीवन में जो किया उसके लिए अगले जीवन में भी/ अब ये मत्ती अध्याय 10 में कहता है, जब वो कहता है, ये बहुत दिलचस्प वचन है, वचन 37 में, यीशु के वचन को सुनिए, जो माता और पिता को मुझ से अधिक प्रिय जानता है/ वो मेरे योग्य नही/ यही मुख्य बात है, सुनिए, जो बेटा या बेटी को मुझ से अधिक प्रिय जानता है, वो मेरे योग्य नही/ और जो अपना क्रूस लेकर मेरे पीछे न चले वो मेरे योग्य नही है/ जो अपना प्राण बचाता है, वह उसे खोएगा,और जो अपना प्राण खोता है, ये दिलचस्प है, वो अनंतजीवन के बारे में नही कह रहा है, वो यहाँ अभी के जीवन के बारे में कहता है/ जो भी अपना जीवन खोता है, आज मेरे लिए, वो उसे पाता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, ये शब्द है सुके, ये यहाँ के जीवन के बारे में कहता है/ यदि आप भरपूरी का जीवन चाहते हैं परमेश्वर की इच्छा के बिच, ये तो इसे पाने का भाग है, मसीह की आज्ञा मानना है, शायद आप इसे न जाने लेकिन ये तो सच्चाई है, ये उन बातों के लिए जिसे आप नही जानते, प्रभु आपके जीवन के द्वारा इसे करना चाहता है/ हम इस पर आगे पूरा एक प्रोग्राम करेगे, चर्चा करेगे कि गिनती की गई, सर्वे किया गया, और चर्च का 75 प्रतिशत भाग, मसीही चर्च के लोग तो चर्च में बैठे हैं जो मसीही हैं, उन्हें नही लगता कि वो भरे हुए हैं, वो महसूस करते हैं कि मसीही जीवन में वो पीछे जा रहे हैं/ और उसके लिए कारण है, मैं सोचता हूँ कि ये तो

यीशु ने हमें दी महान आज्ञा का पालन करने से है/ याने इसके परिणाम होगे, हम खो नही जाएगे/ मैं नही कह रहा कि स्वर्ग नही जाएगे, आप स्वर्ग में होगे, लेकिन आप वहां होगे प्रभु के अनुग्रह के कारण/ और आपको योग्य सेवक के रूप में गिना नही जाएगा/ क्योंकि इस में आपने यीशु को निचा दिखाया है/ और हम प्रतिफल खो देगे, लेकिन और भी कुछ है रॉबी, वो क्या हैं?

रॉबी गैलेटी: जी, यीशु ने हमें वचन में ये भी दिखाया/ इस बैक ड्रॉप से, ये ऑथोराईजड संदेश/ उसके पास केवल अधिकार ही नही है, यीशु के पास ऑथोराईजड संदेश है, यीशु ने कहा, मैं ही मार्ग, सच्चाई और जीवन हूँ, बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नही पहुंच सकता/ देखिए मेरे साथ प्लेन में कुछ लोग बैठते थे, जब मैं स्कुल के दिनों में यात्रा करता था, मैं उन्हें सुसमाचार बांटता था तो वो जवाब में कहते थे, रॉबी ये बहुत सक्रे विचार हैं, आप ये सोचने के लिए बहुत सक्रे विचारबाले हैं कि यीशु ही मार्ग है/ मैं उन्हें यीशु के वचन के द्वारा प्रतिउत्तर देता/ यीशु ने कहा विनाश का मार्ग चौड़ा है, और मार्ग बड़ा है/ लेकिन जो मार्ग जीवन की ओर ले जाता है वो छोटा है, और कुछ ही उसे पाते हैं, तो, यीशु भी अपनी सोच में इसी तरह से सक्रा था/

याने यदि यीशु ऑथोराईजड संदेश है, तो इसका अर्थ है, दूसरों के पास ऑथोराईजड संदेश नही है/ इसका अर्थ है अविश्वासियों के पास ऑथोराईजड संदेश नही है/ इसका अर्थ है कि दूसरे बड़े लोग और आस्था में, उनके पास ऑथोराईजड संदेश नही है/ मामोन के पास ऑथोराईजड संदेश नही है, दूसरे साक्षी के पास ऑथोराईजड संदेश नही है/ विश्वासी के नाते हमारे पास है, एक सच्चा ऑथोराईजड संदेश/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: रॉबी, एक और महान आदर्श है, कि चेले होना क्या है ये तो खुद प्रेरित लोग हैं/ जो इसका परिणाम हैं/ जी/

रॉबी गैलेटी: जी, मैं सोचता हूँ, कि मसीह के अधिकार के लिए सबसे महान उदाहरण हैं, प्रेरितों के जीवन से जो बाहर आया, हरएक प्रेरित जो प्रभु यीशु मसीह के पीछे चला, शहीद हुआ केवल युहन्ना को छोड़कर/ चलिए इन लोगों की सूचि आपको बताता हूँ,

सबसे पहले जब्दी के पुत्र याकूब के बारे में, ये युहन्ना का बड़ा भाई था/ हेरोदेस अग्रिपा ने उसका सिर काट दिया था/ याकूब जो छोटा था, वो तो सच में यीशु का भाई था, उसने पत्री लिखी है, इतिहास कहता है कि उसे मीनार से फेंका गया, और गिरने पर भी नही मर तो कहते हैं कि पत्थर से उसका सिर कुचल दिया/

अन्दियास, पतरस का भाई, इतिहास कहता है कि उसे एक्स आकर के क्रूस पर लटकाया गया, क्योंकि जिस तरह से यीशु मर था वो उस तरह मरने के लिए योग्य नही समझता था/ थोमा को क्रोधित अन्यजातीयों ने सताया, और उसकी पसली में भाला मारा, और फिर उसे आग की भट्टी में फेंक दिया/ मत्ती के बारे में इतिहास कहता है, कि वो इथियोपिया में मारा गया, उसे जमीन में गाढ़कर, उसका सिर काट दिया गया/ मरकुस के बारे इतिहास कहता है, उसने नए नियम का सुसमाचार लिखा, उसे घोड़ों के पीछे बाँधकर तुकडे होने तक घसीटा गया/ पतरस शहीद हुआ और उसे क्रूस पर उल्टा लटकाया गया था, वो उसी तरह से मरने के लिए तैयार नही था जिस तरह प्रभु मारा था/ ये लोग सहमत थे, कि यीशु के पास अधिकार है, इस जीवन में और आनेवाले जीवन में, वो प्रेरित पौलुस के जैसे कहते हैं, मेरे लिए जीना मसीह और मरना लाभ है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और उनके जीवन में परमेश्वर ने चमत्कारी रूप में उन में से बहुतों को बचाया, प्रेरित पौलुस को ही देखिए, उसके समय तक, स्वर्ग में जाने तक, परमेश्वर ने उसे अद्भुत रूप में सुरक्षित रखा/ प्रभु हमारी भी रक्षा करेगा, मैं सोचता हूँ कि ये भी संदेश का भाग है/ लेकिन परमेश्वर की महानता के बारे में, आप क्या चाहते हैं कि लोग इस प्रोग्राम के माध्यम से क्या जाने?

रॉबी गैलेटी: जी, सवाल ये है, जब आपके जीवन में कुछ बुरा होता है तो हम क्या करेगे? हमारे पास परमेश्वर की महानता के बारे में सही दृष्टिकोण होना चाहिए/ आपको जानना होगा कि परमेश्वर नियन्त्रण करता है/ सारी बातों पर, जब आप डॉक्टर के क्लिनिक में आते हैं, और जिसकी अपेक्षा नही थी ऐसी खबर देते हैं/ जब हम अपने बेटे या बेटी के अक्सिडेंट के बारे में सुनते हैं, तो हम क्या करेगे? प्रभु की महानता पर भरोसा रखेगे/ जानते हैं जॉन, बहुत साल पहले, मेरी पत्नी और मैं प्रभु की सेवा कर रहे थे, प्रभु के पीछे थे, बवन्डर कटरीना, हमारे शहर से गुज़रा, हमारे घर में 8 फीट पानी भर गया था, हम सब खो बैठे, स्वाभाविक विचार तो यही कहना होता है, प्रभु मैं ही क्यों? मैं तेरी सेवा करता, तेरे पीछे चलता हूँ, लेकिन प्रभु हमें उसमे से लेकर गया, ऐसा नही कि परमेश्वर हमें बुरी बातों में से बचाएगा नही, लेकिन वो उसमे से हमारे साथ में चलेगा, जब हमारे जीवन में ये होगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: महान वचन है, और दोस्तों अगले हफ्ते, क्या आप जानते हैं कि गिनती बताती है कि 24 प्रतिशत विश्वासी जो चर्च में जाते हैं, ये बताया गया है कि उसका समर्पण नीचे जा रहा है, प्रभु के साथ के संबंध में 41 प्रतिशत, अटके हुए हैं/ जिसका अर्थ है कि इस समय चर्च में लगभग 75 प्रतिशत लोग,इस समय, चार में से तीन चर्च के सदस्य, एक तो वो पीछे जा रहे हैं, या उनका आत्मिक जीवन एक ही जगह पर है/ क्यों? हम इसके बारे में अगले हफ्ते चर्चा करेगे, और इसके उत्तर का कुछ भाग तो महान आज्ञा में ही है/ ये तो अद्भुत बात है दोस्तों. आप चूकना नही चाहेगे, आशा है कि आप जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्् ब्यद् ठ्ड़ड्ड्द्रद्य ख्ड्डद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2017 ऋच्ड्ढक्ष्